आशा का आह्वान

कल अच्छा क्या हुवा
में याद उसी को रखता हूँ,
दिल दुखे जिन बातों से
में अक्सर में भूल जाता हूँ,

मेने कुछ दिया किसी को
ना याद कभी में रखता हूँ,
सुख से जीवन जीने के लिए
सेवा का जज्बा रखता हूँ,

जिनका मन सेवा से भरता
में उन लोगां का साथी हूँ,
हर जीव का दुख मेरा अपना
यही समझकर चलता हूँ,

ना पैसा है ना समझ कोई
जुबान में मीठी रखता हूँ,
शब्द दवा बनकर दिल मे उतरे
कोशिश सदा ही करता हूँ,

कोन जाने कल इन साँसों में
अड़चन कोई आ जाये,
इस चलते फिरते जोवन को
झोंका प्रदूषित कर जाये,

मानव सेवा करने की उमंग
दिल मे अपने रखनी है,
अपनी जुबान की भाषा को
अमीर सदा ही रखनी है

चाहे जितनी कोशिश करेंगे
ना उमर कभी बढ़ पाएगी
जितना लिखा है किस्मत में
प्रकृति देकर ही जाएगी।

गोपाल कृष्ण व्यास
अध्यक्ष राजा मानवाधिकार